

1	2	3	4	5	6	
<b>3. Kerosene</b>						
(i) Superior	Per litre at 15°C	26.500	6.845*	33.345	*The incidence of additional excise duty is expected to be borne by the Oil Companies.	
(ii) Inferior	"	5.090	8.770*	13.860		
<b>4. Petrol (Motor spirit)</b>						
"	"	100.00	8.155*	108.155		
<b>@5. Cotton fabrics (manufactured in a composite mill)</b>						
	Per square metre	Fabric duty				
		Yarn duty	Basic	Additional	Handloom	Total
(i) Medium-B-Grey		4.40	..	6.00	1.90	12.30
(ii) Coarse-Grey		2.20	..	3.60	1.90	7.70

**Reforms in Taxation System suggested by Minister of Heavy Industry**

4275. SHRI MUHAMMED SHARIFF:  
SHRI SEZHIYAN:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government have considered the question of reform in the Tax System in the country as suggested by Minister of Heavy Industry on 23rd June, 1973 in Hyderabad; and

(b) if so, the outcome thereof?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YESHWANTRAO CHAVAN):

(a) and (b). In his speeches delivered at Hyderabad on the 23rd June 1973, Shri T. A. Pai, Minister of Heavy Industry did not make any suggestion for reforming the tax system as such. Accordingly the question of considering any proposal in this regard does not arise.

सूरत जिले में पांच बीघा से कम भूमि वालों को राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा दिया गया ऋण

4276. श्री प्रमर सिंह चौधरी : क्या वित्त मंत्रों यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीयकृत बैंकों ने गत दो वर्षों में सूरत जिले (गुजरात) में पांच बीघा से कम भूमि वालों को ऋण दिये हैं ;

(ख) क्या पांच बीघा से अधिक भूमि वालों को ऋण दिये गये हैं ; और

(ग) उन बैंकों के नाम क्या हैं जिन्होंने ऋण दिये थे और उनमें से प्रत्येक बैंक ने कुल कितना ऋण दिया है ?

वित्त मंत्रालय में उप-मंत्री (श्रीमती सुशीलारोहतणी) : (क) और (ख) : सरकारी

के बैंक, छोटे कृषकों की आवश्यकताओं को पूरा करने पर विशेष जोर दे रहे हैं।

(ग) सूरत जिले में कृषकों को दिये गये ऋणों के बैंक-वार आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हैं। जून 1972 के अन्त में सूरत जिले में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के 99 कार्यालयों में से जिन 86 कार्यालयों ने सूचना दी है उसके अनुसार कृषि (बागानों को छोड़कर) को दिये गये अग्रिमों की कुल बकाया रकम 1.29 करोड़ रुपये है।

#### पटसन का मूल्य निर्धारित करना

4277. श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पटसन की आगामी फसल में कितना उत्पादन होने की आशा है और पटसन की प्रति कि्वंटल उत्पादन लागत क्या होगी ;

(ख) क्या ट्रेड यूनियनों ने मां की है कि पटसन का मूल्य कम से कम 60 रुपये प्रति मन निर्धारित किया जाना चाये ; और

(ग) यदि हां, तो इस बारे में सरकार की या प्रतिक्रिया है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ए० सी० जाज) : (क) उद्योग तथा व्यापार को लगभग 75 लाख गांठों का उत्पादन होने की है। उत्पादन लागत 56.81 रु० तथा 73 रु० प्रति कि्वंटल के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है।

(ख) विभिन्न व्यापार संघों द्वारा विभिन्न प्रकार के दावे किए गए हैं।

(ग) कृषि मूल्य आयोग की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने इस मौसम के दौरान कच्चे पटसन (आसाम वाटम किस्म) की न्यूनतम समर्थन कीमत 125 रु० प्रति कि्वंटल निश्चित की है। तथापि, 157.68 रु० प्रति कि्वंटल की औसत कीमत लाने की दृष्टि से भारतीय पटसन निगम को यथा एवं कच्चा पटसन खरीदने का सुझाव दिया गया है।

#### Breach of Promotion Policy Agreement entered into by L.I.C. with the Federation of L.I.C. Class I Officers Association in 1970

4278. SHRI G. P. YADAV: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Life Insurance Corporation has committed a breach of the promotion policy agreement entered into with the Federation of Life Insurance Corporation Class I Officers' Associations in 1970; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI-MATI SUSHILA ROHATGI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

#### Representations made by ex-Emergency Commissioned Officers Employed in L.I.C. for Benefit in Fixation of Seniority and Pay

4279. SHRI G. P. YADAV: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to the representations of the ex-Emergency Commissioned Officers re-employed in the L.I.C. of India for giving benefit in the fixation of seniority and pay, as is being given to the Ex-E.C.Os.